Printed Pages – 4

21037

B. A. (Second Year) Examination, 2021

(New Couse)

हिन्दी साहित्य

HINDI LITERATURE

Paper : First

(Awarchinya Hindi Kavya)

(अर्वाचीन हिन्दी काव्य)

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 60

***नोट** : सभी प्रश्न हल कीजिए।*

खण्ड-'अ' **5×3=15**

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए—

(i) दीपक के जलने में आली,
फिर भी है जीवन की लाली।
किन्तु पतंग-भाग्य-लिपि काली
किसका वश चलता है।
दोनों ओर प्रेम पलता है।
जगती वणिग्वृत्ति है रखती,
उसे चाहती जिससे चखती
काम नहीं, परिणाम मिरखती
मुझे यही खलता है।

अथवा

वीर पंचनद के सपूत मातृभूमि के
सो गए प्रतारणा की थपकी लगी उन्हें
छल-बलिवेदी पर आज सब सो गए।
रूप भरी, आशा भरी, यौवन अधीर भरी
पुतली प्रणयिनी का बाहुपाश खोलकर
दूध भरी दूधी सी दुलार भरी
माँ की गोद, सूनी कर सो गए।

(ii) न कोई छायादार पेड़
वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,

https://www.mpbouonline.com

श्याम तन, भर बँधा यौवन
नत नयन, प्रिय कर्म-रत-मन
गुरु हथौड़ा हाथ
करती बार-बार प्रहार
सामने तरु मलिका अट्टालिका, प्राकार।
चढ़ रही थी धूप, गर्मियों के दिन
दिवा का तमतमाता रूप
वह तोड़ती पत्थर॥

अथवा

आ गया वह वायु वाही
मित्र का नव राग
बुलबुलें गाने लगी हैं
जाग प्यारी जाग।
प्रेम प्यासे गीत गढ़
तेरा सराहैं त्याग
रागियों का प्राण है
तेरा अतुल अनुराग
पर न वन देवी, न संपुट
खोल, तू मत जाग
विश्व के बाज़ार में
मत बेच मधुर पराग
खुली पंखड़ियाँ, कि तू बेमोल
हार है, यह तू हृदय मत खोल

(iii) मैं नीर भरी दु:ख की बदली
स्पन्दन में चिर निस्पंद बसा
कुन्दन में आहत विश्व हँसा,
नयनों में दीपक से जलते
पलकों में निर्झरिणी मचली
मेरा पग पग संगीत भरा
श्वासों से स्वप्न-पराग-झरा,
नभ के नवरंग बुनते दु कूल
छाया में मलय बयार पली।

अथवा

https://www.mpbouonline.com

हरी बिछली घास
दोलती कलगी छरहरी बाजरे की।
अगर में तुम को, ललाती साँझ के नभ की
अकेली तारिका अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार-न्हायी कुँइ।
टटकी कली चंपे की, वगैरह
तो नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला
या सूना है।
या कि मेरा प्यार मैला है।
बल्कि केवल यही : ये उपमान मैले हो गए हैं।

2. निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए— 5×3=15

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के साहित्यिक अवदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

भवानी प्रसाद मिश्र के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व का परिचय दीजिए।

(ii) रघुवीर सहाय के काव्य के मूल स्वर को समझाइए।

अथवा

दुष्यन्त कुमार के काव्य वैशिष्ट्य पर टिप्पणी लिखिए।

(iii) पुनर्जागरण काल की तीन विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

द्विवेदी युग की भाषा पर टिप्पणी लिखिए।

(iv) प्रयोगवाद की तीन विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

'नयी कविता' की तीन विशेशताएँ लिखिए।

(v) नरेश मेहता की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

अथवा

महादेवी वर्मा की गीति शैली को समझाइए।

3. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

(i) मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी चेतना का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

सिद्ध कीजिए कि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' प्रगतिवाद के पोषक है।

https://www.mpbouonline.com

अथवा

प्रसाद जी प्रकृति के कुशल चित्रकार है। इस कथन के सन्दर्भ में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(ii) माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

प्रयोगवाद के प्रवर्तक के रूप में अज्ञेय का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

मुक्तिबोध के काव्य शिल्प पर प्रकाश डालिए।

(iii) छायावादी काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

प्रगतिवादी साहित्य की विशेषताएँ बताइए।

https://www.mpbouonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.mpbouonline.com